|b09291 51perryF (English)

|c09291_000_51perry.xml (Task 178263)

|v1

रविवार का दोपहर सत्र

|v2

जनरल सम्मेलन

|v3

रविवार का दोपहर सत्र

|v4

3 अक्टूबर 2010

|v5

हारुन का पौरोहित्य

|v6

हारुनी पौरोहित्य

|v7

पौरोहित्य

|v8

पुनःस्थापना

|v9

सेवा

|v10

हारुन का पौरोहित्य

|v11

एल्डर एल. टॉम पैरी द्वारा

|v12

बारह प्रेरितों की परिषद के

|v13

आपके पास जो पौरोहित्य है वह एक विशेष उपहार है, क्योंकि देनेवाला स्वयं प्रभु है । इसका उपयोग करें, इसे पूरा करें, और इसके योग्य जीवन जीएं ।

|v14

जैसा कि मैंने 25 वर्ष पहले जनरल सम्मेलन में
कहा था, मैंने एक दृष्टिगत सहायता का परिचय कराया था जो मेरे बगल में खड़ा था । वह मेरा बड़ा पोता था । हाल ही में उसने हारुनी पौरोहित्य प्राप्त किया और एक डिकन के पद पर नियुक्त हुआ था । हारुनी पौरोहित्य प्राप्त करने के महत्व के विषय में मैंने उससे अपनी बात करने के लिए उस अवसर का उपयोग किया था ।

|v15

मैंने अपने पोते से कहाः

|v16

‘‘मैं उन सांसारिक परिस्थितियों से बहुत प्रभावित नहीं हुआ जिसे आप और अन्य युवक अपना अधिकार समझते हो जैसा कि पुरुषत्व की ओर कदम रखने के लिए अपनी भूमिका के विषय में आप समझते हो । हालांकि हममें से वे लोग जो बड़े हैं जोकि संसार को प्रभावित करने की उम्र और पद पर हैं, मेरा मानना है कि संसार में बनने की जिन परिस्थितियों को अनुमति हमने दी है उसमें हमने आपको पूरी तरह से हरा दिया है । यह आपको एक ऐसी स्थिति में रखता है जहां आपके सहयोगियों में से कई लोग पारंपरिक मूल्यों की एक समझ के साथ पले-बढ़े होते या इनके प्रति उनमें आदर भाव होता है । इसलिए, मित्रों का दबाव अधिक कठिन और उग्र है।

|v17

‘‘हमने अपने घरों में रेडियो, रिकॉर्ड प्लेयर, और टेलिविजन सेट लाएं है । जब कि हर एक के पास हितकर मनोरंजन प्रदान करने की क्षमता है, सुनकर और देखकर खुश होने के लिए इतना कुछ सुनाया और दिखाया जाता है जो कि युवकों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने की योग्यता नहीं रखते हैं । वास्तव में, इनमें से अधिकतर हमारे दर्जे को घटानेवाली होती हैं । आपके स्वयं के घर के बटन में क्या सही है और क्या गलत है की आपकी सोचने और समझने की शक्ति को खत्म करने की क्षमता है’’ (“I Confer the Priesthood of Aaron,” *Ensign*, Nov. 1985, 46).|v18

जितनी अधिक चीजें बदलती हैं, उतनी ही वे एक समान रहती हैं--- तकनीकी के । मैं हारुनी पौरोहित्य धारक युवकों से पूछने की लालसा करता हूं कि क्या वे एक रिकॉर्ड प्लेयर क्या होता है जानते हैं । उनके लिए जिन्हें नहीं पता है, यह वह चीज है जिसे हम पारिवारिक कक्ष में जाकर बजाते हैं ताकि हम संगीत सुन सकें । कल्पना करें कि---हमें उसके पास जाना होता है बजाय उसे अपने साथ हर जगह ले जाने के ।

|v19

मैंने अपने पोते टेरी को पुराने नियम से दानिय्येल की कहानी पर आधारित चार पाठ भी सीखाए थे । मैंने उससे (1)
उसके शरीर को स्वस्थ और साफ रखने, (2) अपनी बुद्धि को विकसित करने और समझदार होने, (3)
मजबूत होने और लालच से भरे संसार का सामना करने, और (4)
प्रभु में विश्वास करने को, विशेषकर जब आपको उसकी सुरक्षा की आवश्यकता होती हैं कहा था ।

|v20

मैंने टेरी को इन शब्दों के साथ सलाह देना समाप्त किया थाः ''धर्मशास्त्रों में पाई जानेवाली ये कहानियां कभी भी पुरानी नहीं होंगी । वे तुम्हारे लिए उतनी ही प्रोत्साहित करनेवाली होंगी जब तुम उन्हें एक डिकन, एक शिक्षक, एक याजक, एक प्रचारक, एक घर शिक्षक, एल्डर परिषद के एक अध्यक्ष के रूप में पढ़ते हो, या किसी भी पद पर जिसपर प्रभु तुम्हें नियुक्त करता है । वे तुम्हें विश्वास करना, साहसी रहना, अपने साथी के प्रति प्रेम रखना, आत्मविश्वास, और प्रभु में विश्वास करना सीखाएंगे'' (*एन्साइन,* नवं, 1985, 48) ।

|v21

मुझे यह बताकर खुशी है कि 25
वर्ष पूर्व दिए गए काम में टेरी विश्वासी रहा है । बाद में उसने मलकिसिदक पौरोहित्य भी प्राप्त किया, एक विश्वासी मिशन पूरा किया, वर्तमान में एल्डर परिषद अध्यक्ष के रूप में सेवा कर रहा है, और हां एक सुंदर सी बेटी का पिता भी है ।

|v22

शताब्दी के आखिरी सत्र में बहुत कुछ बदल चुका है । एक अन्य बात यह हुई है कि मेरे बहुत से पोते-पोतियों बड़े हो गए हैं और उनके भी बच्चे हो गए हैं । इस ग्रीष्मकाल में मुझे पौरोहित्य धारकों के साथ गोलाई में खड़े होने और मेरे बड़े पड़-पोते के सिर पर हाथ रखने का अवसर मिला था जब उसके पिता ने उसे हारुनी पौरोहित्य प्रदान किया था । यद्यपि मेरा पड़-पोता मेरे बगल में खड़े होने के लिए आज उपस्थित नहीं है, मैं उसे और आप स भी बहुत ही अच्छे युवाओं को अपनी बातें संबोधित करना चाहता हूं जिनके पास हारुनी पौरोहित्य है ।

|v23

हारुनी पौरोहित्य प्राप्त करना एक विशेष आशीष है । इतिहास में उस विख्यात दिन को लिखा गया है जब पृथ्वी पर पौरोहित्य की पुनःस्थापना हुई थी, परमेश्वर के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का अधिकार पुरुषों को देते हुए जब वे पवित्र पौरोहित्य धर्मविधियों को करते थे । वह 5 अप्रैल 1829 का दिन था, जब ओलिवर काउड्री हार्मनी, पेन्सिलवेनिया, में जोसफ स्मिथ के घर आए थे । प्राचीन अभिलेख, मॉरमन की पुस्तक के अनुवाद कार्य के बारे में ओलिवर ने भविष्यवक्ता से पूछताछ की थी । कार्य के ईश्वरीय स्वभाव से सन्तुष्ट होते हुए, अनुवाद के कार्य को पूरा करने में लिपिक के रूप में काम करने के लिए ओलिवर मान गए थे । अनुवाद का कार्य तीव्रता से आगे बढ़ा था जब ओलिवर लिपिक के रूप में काम करने को बचनबद्ध हुए थे ।

|v24

15 मई 1829
तक, जोसफ और ओलिवर 3 नफी तक पहुँच चुके थे । पश्चिमी गोलार्ध में पुनरुत्थारित उद्धारकर्ता के दौरे के इतिहास और बपतिस्मा के बारे में उसकी

शिक्षाओं ने उन्हें रोमांचित किया था। जैसे उन्होंने 3 नफी को पढ़ा, उनके मन बपतिस्मा के बारे में विचार करने लगे। बपतिस्मा का कौन सा तरीका सही था, और इस पवित्र, बचानेवाली धर्मविधि को करने का अधिकार किसके पास था ? उन्होंने इन मूल सैद्धान्तिक प्रश्नों का उत्तर खोजा था। उन्होंने प्रार्थना द्वारा उत्तर प्राप्त किया था, और वे पास ही के सस्क्वेहाना नदी के किनारे पर गए थे। उन्होंने अपने हृदयों को उंडेला था, और उनके लिए स्वर्ग खुल गए थे। एक स्वर्गदूत प्रकट हुआ, स्वयं को यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला हुए, और जोसफ और ओलिवर को बताया कि वह पतरस, याकूब, और यूहन्ना के निर्देशानुसार काम कर रहा था, जो उच्च पौरोहित्य धारक थे (देखें जोसफ स्मिथ---इतिहास 1:72)।

|v25

अपने हाथों को उनके सिरों पर रखते हुए, उसने कहाः ''तुम्हारे ऊपर मेरे साथी सेवकों, मसीहा के नाम से मैं हारुन का पौरोहित्य प्रदान करता हूं, जिसमें दूतों की सेवकाई, और पश्चाताप के सुसमाचार, और पापों की क्षमा के लिए डुबकी के बपतिस्मा की कुंजियां हैं; और इसे दुबारा पृथ्वी से तब तक नहीं लिया जाएगा जब तक कि लेवी के पुत्र धार्मिकता में रहते हुए फिर से प्रभु को भेंट न करें'' (देखें सि. और अनु. 13:1)।

|v26

बाद में, ओलिवर ने इस घटना का इन शब्दों में वर्णन कियाः ''लेकिन ... सोचो, एक क्षण के लिए सोचो, हमारे हृदयों में क्या खुशी भर गई, और कौनसा आश्चर्य हुआ कि हमें झुकना पड़ा ... जब हमने उसके हाथों से पवित्र पौरोहित्य प्राप्त किया था'' (जोसफ स्मिथ---इतिहास 1:71, पादटिप्पणी)।

|v27

परमेश्वर के अधिकार को पुनःस्थापित करने के लिए शताब्दियों तक मनुष्यजाति द्वारा प्रतीक्षा करने के पश्चात, पवित्र हारुनी पौरोहित्य की शक्ति और महिमा पृथ्वी पर वापस लौटी थी। सिद्धान्त और अनुबन्ध 107 के खण्ड में, हम सीखते हैं कि क्यों छोटे पौरोहित्य को हारुनी पौरोहित्य कहते हैंः

|v28

''दूसरे पौरोहित्य को हारुन का पौरोहित्य कहते हैं, क्योंकि उसे हारुन और उसके वंशजों को प्रदान किया गया था, उनकी पूरी पीढ़ी को।

|v29

''इसे छोटा पौरोहित्य क्यों कहते हैं, क्योंकि यह बड़े, या मलकिसिदक पौरोहित्य से जुड़ा है, और इसमें बाहरी धर्मविधियों को करने की शक्ति होती है। ...

|v30

''छोटे, या हारुनी पौरोहित्य की शक्ति और अधिकार, दूतों की सेवकाई की, और बाहरी धर्मविधियों को करने की, सुसमाचार के पत्र की, पापों की क्षमा के लिए पश्चाताप के बपतिस्मे की, अनुबन्धों और आज्ञाओं के प्रति सहमति की कुंजियों का धारक होना है'' (सि. और अनु. 107:13–14, 20)।

|v31

हारुनी पौरोहित्य के युवक अपनी पौरोहित्य जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए प्रभु के प्रतिनिधि के रूप में केवल शक्ति और अधिकार ही प्राप्त नहीं करते हैं, बल्कि वे दूतों की सेवकाई की कुंजियों को भी प्राप्त करते हैं।

|v32

हारुनी पौरोहित्य के युवकों, मैं आपको गवाही देता हूं कि आपकी विश्वसनियता के अनुसार आपके जीवन को आशीषित करने के लिए प्रभु पवित्र अनु बन्ध द्वारा बाध्य है । यदि आप पवित्र आत्मा की चेतावनी भरी आवाज को सुनेंगे और उसके निर्देश का पालन करेंगे, आप दूतों की सेवकाई से आशीि षत होंगे । यह आशीष आपके जीवन में ज्ञान, समझ, शक्ति, और महिमा को जोड़ेगी । प्रभु द्वारा प्रतिज्ञा की गई यह एक निश्चित आशीष है ।

|v33

कुछ महीने पहले मुझे एक वार्ड के उपवास और गवाही सभा में उपस्थित होने का अवसर मिला था । एक जो अपनी गवाही देने के लिए खड़ा हुआ था वह हारुनी पौरोहित्य सलाहकार था । उसकी गवाही ने मुझे एक नई प्रशंसा प्रदान की कि हारुनी पौरोहित्य धारक के लिए दूतों की सेवकाई की कुंजि यों के धारक होने का क्या अर्थ है ।

|v34

उस सुबह इस सलाहकार ने वार्ड के साथ अपने हारुनी पौरोहित्य के कुछ अनुभवों का वर्णन किया । गिरजाघर की तरफ जाते हुए उसने ध्यान दिया कि उपवास-भेंट के लिफाफों के साथ दो युवा डिकन सदस्यों के घर जा रहे थे । वह उनके रविवार के उत्तम पहनावों से प्रभावित हुआ था और इससे कि किस प्रकार उन्होंने अपने कार्य को मौन मर्यादा के साथ पूरा किया था । फिर वह शारीरिक और मानसिक तौर पर अपंग मनुष्यों के घरों में प्रभुभोज दे ने के लिए दो याजकों के साथ गया था । इन दोनों युवकों के लिए इस घर में जाने का यह पहला अवसर था, और उनके सलाहकार ने आदरपूर्वक क ाम करने के उनके तरीके पर ध्यान दिया था कि कैसे उन्होंने पौरोहित्य के काम को पूरा किया था ।

|v35

फिर सलाहकार ने एक छोटा सा अनुभव बताया जिसने उसके हृदय को गहराई तक छू लिया था, क्योंकि याजकों में से एक ने उसे याद दिलाया था ि क यीशु मसीह के सच्चे सेवक होने का वास्तविक अर्थ क्या है---वास्तव में, सेवा कर रहे दूतों का । युवा याजक जो सभा में पानी को आगे बढ़ा रहा था एक ऐसे व्यक्ति के पास पहुँचा जिसे देखकर ऐसा लगता था कि उसे डाउन सिनड्रोम बीमारी थी । व्यक्ति की दशा ने पीने के लिए प्लेट से प्याले को लेने से उसे रोक दिया था । इस युवा याजक ने शीघ्र ही परिस्थिति का अंदाजा लगा लिया । उसने अपने बाएं हाथ को व्यक्ति के सिर के पीछे ल गा दिया ताकि वह पीने की स्थिति में हो सके, और दाएं हाथ से उसने प्लेट से प्याले को लेकर और धीरे- से उसे व्यक्ति के होठों की तरफ ले गया । व्यक्ति के चेहरे से प्रशंसा का भाव आया ---किसी ऐसे व्यक्ति की अभिव्यक्ति का जिसकी सेवा किसी और ने की थी । इस अच्छे युवा याजक ने फिर आशीषित पानी को सभा के अन्य सदस्यों के पास ले जाने के अपने कार्य को जारी रखा ।

|v36

सलाहकार ने अपनी गवाही में उन एहसासों को व्यक्त किया जिसका अनुभव उसने उस मधुर क्षण में किया था । उसने कहा कि वह खुशी के साथ चु पके से रोया था, और वह जानता था कि गिरजाघर देखभाल करनेवाले. हारुनी पौरोहित्य के आज्ञा मानने वालों इन युवाओं, के अच्छे हाथों में था ।

|v37

अध्यक्ष एज्रा टफ्ट बेनसन ने एक बार कहा थाः ‘‘मुझे ऐसा एक युवक दो जिसने नैतिक रूप से अपने आपको स्वच्छ रखा हो और विश्वासी रहते हुए ि गरजाघर सभाओं में उपस्थित रहा हो । मुझे ऐसा एक युवक दो जिसने अपने पौरोहित्य के कार्य को पूरा किया हो और जिसने परमेश्वर के प्रति काम के पुरस्कार को प्राप्त किया हो और जो एक ईगल स्काउट हो । मुझे ऐसा एक युवक दो जो धर्मप्रशिक्षालय स्नातक हो और जिसके पास मॉरमन की पुस्त क की एक धधकती हुई गवाही हो । मुझे इस प्रकार का एक युवक दो, और मैं आपको एक ऐसा युवक दूँगा जो अपने मिशन के दौरान और अपने पू रे जीवन में प्रभु के लिए चमत्कार कर सकता है’’ (“To the ‘Youth of the Noble Birthright,’” *Ensign,* May 1986, 45).

|v38

इन वैभवशाली युवक और युवतियों के माता-पिता, हम आप को अपने बच्चों को पवित्र पौरोहित्य के सिद्धन्तों को सीखाने की पवित्र जिम्मेदारी डालते हैं । आपके बच्चों को प्रभु के अनन्त पौरोहित्य होने की आशीष को प्रारंभिक उम्र में सीखना होगा और यह कि इन आशीषों के प्रति योग्य होने के लिए

व्यक्तिगत तौर पर उन्हें क्या करना चाहिए ।

|v39

धर्माध्यक्षों, आपके पास हारुनी पौरोहित्य धारक युवकों पर संचालन की, उनके साथ परिषद में बैठने की, और उन्हें उनके पौरोहित्य कर्तव्यों को सीखाने की पौरोहित्य कुंजियां हैं । कृपया सुनिश्चित करें कि हर युवक जो हारुनी पौरोहित्य प्राप्त करने के योग्य हो उन दायित्वों और आशीषों को समझे जो उसके पास पौरोहित्य धारक होने के रूप में आती हैं । उसे महत्वपूर्ण कार्य देने के द्वारा और दूसरों की सेवा और देखभाल में सहायता करने के द्वारा अभी ही पौरोहित्य को पूरा करना सीखने में उसकी सहायता करें ।

|v40

युवकों, मैं सच्चाई और धार्मिकता के आधार पर अपने जीवन को बनाने के लिए आपको चुनौती देता हूं । यही एकमात्र आधार है जो कि इस जीवन के दबावों का सामना करेगा और अनन्तताओं द्वारा अन्त तक रहेगा । जो पौरोहित्य आपके पास है वह एक विशेष उपहार है, क्योंकि देनेवाला स्वयं प्रभु है । इसका उपयोग करें, इसे पूरा करें, और इसके योग्य जीवन जीएं । मैं चाहता हूं कि आप जानें कि मेरे पास इसकी विशेष और व्यक्तिगत गवाही है । इसने मेरे जीवन को कई तरह से आशीषित किया है ।

|v41

मैं आपको आज ही निर्धारित करने की चुनौती देता हूं कि आप इस महान आशीष का सम्मान करेंगे और हारुनी पौरोहित्य---डिकन, शिक्षक, और याजक के प्रत्येक पद में प्रगति की तैयारी करेंगे । मलकिसिदक पौरोहित्य की महान आशीष को प्राप्त करने के लिए अपने आपको तैयार करें, जिसकी आवश्यकता आपको एक पूरे-समय के प्रचार कार्य के पहले इसे प्राप्त करने प्रति योग्य होने में होगी । प्रभु चाहता है कि आप उसकी सेवा के लिए अपने आपको तैयार करें, विशेषकर आपके ऊपर संसार को सुसमाचार घोषित करने की जिम्मेदारी होगी । मैं आपसे वादा करता हूं कि यदि आप उसके पवित्र पौरोहित्य को प्राप्त करने की तैयारी करेंगे, वह वास्तव में आप पर आशीषें उंडेलेगा । मैं हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यहां तक कि यीशु मसीह के नाम में साक्षी देता हूं, आमीन ।

|v42

लियाहोना

|v43

नवंबर 2010